

२
श्वभ्रमधनुः, वामकर्कनीयाभर्कवक्रवल्गुसंवीणा, सर्वास्त्रतमश्रुता ॥ दहिनि
सर्वसाक्षात्, अमिहलासमयुता ॥ वाङ्मय्या वापिनीद्वी, यथिवीक
दसंज्ञावा, नीलकुवर्ण, मधुलानकयंसि, गा ॥ हिरुजाटदुसि, नगुरुय
विरुषिदा ॥ अं कृष्णायामर्क, न्यांवक, वक्रधमश्रुता ॥ वा ॥ नमः ॥ आर्य उग्रः
गायादयो नक्तुटाये ॥ नमः ॥ आवक्यत्यकवृद्धवाधिसत्त्वकाधवाङ्मय, धर्मस

यस्य ॥ नमः ॥ रावणपदमगुर्वव, महाकाव्यनिकाय, अक्षमूनयगथागाया ॥ ह
कसम्यक्कंवजाय ॥ अवमया, कर्मकस्मिन्समयरागवानयद्यमाल्यगिविसिख
वविह्वलिसमसमहनाहिकुसुधनसाई, वाधिसत्त्वगा, धनवकाधवाङ्मयनेसाई
विद्याधरगा, धेवयिनालवकिरुकुटीवेवगा, रागावकिरुथ, माविचिनीं रुद्रः
लीयेव, कावा, रागावकिटथ, माविचीयर्ष, सर्ववीकुरुगावन, कस्याल्यना, माम

3
कियायु बाकथा कथ ४ रागवन सुखाय रागवान् अवलाकी ग ४ ला कानामनर्कः
याय सास्त्रावय विपुष्ट कि रागवन क हि सर्व ह् हान निर्मल लावना रागवन
आर्या का बाया कूल मा रु रु व कि ही चाना ना उग्र व्याधि विश क ला क ना य का ना
ना व धु नि व्या नि नाना व धु क ना न व क व धा का ह्य धु नि वा धि स त्वा म न क
स ४ रा क था म थ मह धा व नि व रु रा ना य म स त्वा ना वि न या थ य ४ य उ ग्र

बावयु सु क म रु सु रि ना रु न नि रु य ला लि ट य या कि न ४ ड क्षा क ट म हा ही म वः
दन न वि रु धि क म व दार्ढ म धि रं या य काला म धु ल म र थ रं सा बा य पि रु क
ऊ टा म धु रं क व धा कूल म ना धा बा रु हा मं म रु हं रु य स्था पि रु यं क व म ना व वं वि
अ रु का वि धा वि श क थान म रु रा क रा स वा म व द न मि रं सं व दान रु य डि रं वा
धि स त्वा रा ले धा न् सं रु रं रु कि व स रं रा रु य रा व म रु लं स र्वा व हि ना य कं ४

॥ मन्त्रं दाय नंदाया, कथाया न्या कृत्वा दग्ध ॥ वाक् सा रश्च व वाक् सा व सा व धि व ल सा या ॥
ता ग क न्या वि सा वा का य कि रश्च व धि वा सि न ॥ ग सा व द्वां क वि षं ति, महा स त्व स्य
ति स्य सः ला क या ला य ग हा क, श्र त्वा ला वा क का यिका ॥ व क्ता वि षु थ ध न द, आ दि
या ग ह सं य कं, क मा वा र क ना थ श्र, पा व य नि स द व ग म य स्य स्य ग गुरु स ल, कः
॥ स ह स ग म यि वा श य सि न्वा क य व व हा कि स द य वं नि वृ प द व म्, अ सा म्भु याः ॥

॥ ० म म्भु द, कुरु र्वं व हा मा द य क र क ल्या य ॥ ० म्भु स ग कं, न द या य स्य क स्य वि त्, व द्वा यं
या न ग म्भु स र्व सि धि य द य कं, गुरु क्ता य म्भु सी ल स य क्ता य द य य क्ता, स र्व
म क्ता ल या य मां धा व र्शी स र्व सि धि द क्ता, ग स्य ह स ग गं स र्व कं ला क स द वा व लं
कु ड्दा यि व स ग म कि, य रश्च ना धा व य ग न व ॥ ग स्य य र्व दि म ल्थ क्ता, स यं या वा व
मा व जि ग र हि का य स र्व स र्व स त्वा नां क य य ग म्भु द ह य क्ता, वां अं न मा हः ॥

६
गवरो आर्यो उग्रगवायदो न क कटायेः ॥ ॐ नमः सर्वभूतकृष्णाय कवचवाधिसूत्र
काथवाकवृद्धधर्मसंघाय ॥ नमो गवरो यत्र मगुववमहाकावधीकायभक्त
मनयगथागाया ॥ हे कसम्यकं वृद्धायमागथा ॥ ॐ उग्रगु २ म हा उग्र उग्र वृध
उग्रगाव न क कटयि ॥ अग्रे क कट उई कट वृद्धा एवं जं कि क क न यामवका क्रावि
कमकटन वधी वमाला र व र म दृष्ट कला ला गुलि ख म दृष्ट र ह कटि मृष्टि म

हामृष्टि ह स २ म द २ म द नोत्स क म दानाठय कूलखरी कूलंदलि कूलमागव वी कू
लकालिनि वम २ सु व ग २ सु व गा म क सु व र म वि वि कृ क ड म हा ना ख वा व उ
काटी म स्का म द र्ध र थ वि दृ क का लाल व म न सं या गिर गु व न द वी कलालि कं का
विका वानल काल लाहनि काल कं काल विधम मि व क म हा काल व य ध वी शि म
हा कालि कालि सद म नी व र्हा वी वरु व र्हा वी य द्र व र्हा वी वटा व म्भ य नि व कालि

[illegible]

कूट २ स्वट २ घट २ विघट २ गट २ षट २ षटय २ मटय २ षटात्रम २ अ, व लि सि कः
लीकं वीष च यु कालि क मञ्च ऊ यु कालि क हू क वह न नय न क ल २ कालय २ व ऊ २
व ऊ ग ऊ व ऊ काला नय न ल यु रु व ऊ काला व रा पिक म वि व व ऊ यु रु म धु ल व ऊः
व ऊ व ऊ वा बा हिरु कू वि ई ष रु स म नी म काली स ध र्मा शि द ह २ रु सिं क व स व वि
म्रा न व ई व ऊ म्मी व न्द अ किर अ य वा किर अ म क अ य वि मि क अ य वि मि क य

[illegible][illegible]

२
 हिंती वकुवहिती समभधनि समयावका विभी समव २ समय समय वेरग, वीव ना
 यकी वकुनायकी यी ० नायकी कामभवी कामवृष्ववृष्व महारगनि धाव वृष्ववः
 इवि विवि विवि वृष्ववृष्व विभी महा वृष्ववृष्व महसुय विव हिंती माला विपदव
 भी महा विप्रा यथा कनि रुकुं य २ सर्व मालान् ४ माषय २ सफ सागाना तघाटय २ स
 व ३ रुय इशान की वय २ सर्व ग्रहान् माहय २ सर्व ज्ञान् मुखाय २ सर्व ऊँ वा रुसान्

रगाव कि महा कवृष्वकारध्ववी वरु २ मांसय विवा वं सर्व सत्ता नायक अंमधि २ मः
 हामृषि विरामृषि मृषि विमृषि दाय दामृषि वन्दव रुमृषि वरु कहि वी वरु
 अकिनी रुदय मूल सि महा रुष्व किं किती धिं विवि व्या युवर्मा सुदि रुक्यन
 महा काध वा रु म्पारु सि रुव वरु यगल नागम रुव रस नागम रु क रु सि मधि
 वं डि गम विव रुष्व साव रुक विगुह २ रु २ ही २ ग रु रु रु मा की ले क य लाव

सासिना के भगुस वर म कृता मधिमा लाय विवस्मि र या दधी १० श्री विवस्मि र वरु
 द वृदा कर्षधी ऊं काल य वधी के भगु क वर कवी ने ला का कर्षधी सर्व म थ ग र गु क
 ह द य म हा मू द धिस्मि र म हा या य म हा मा या मा या वि भा हि ति मा या काल न य न
 वल २ वि वल २ स वल २ के भगु क न म स्म र व वि भा णि इ क व ह य न म हा क ल्या निः
 सं नि र वि व २ व व स व ल र वी व स न मि र य व म म यु ल म दाय के रै ति हं व हः

वजां कु म धा दिधी या म स्म टा न श्र नि षि य व रु य म म हा स क्ते म हा व रु ध ल य व यि
 धी धर्म भगु र न ग र व म २ सर्व या गि धी सर्व म यु ल यु कि क का य न्या म र रु व
 धि स मा लि नी वि व ग र वि व्वा इ ग र ति ल य व द २ व यु व गु धि क म स्म क व न
 म यु ल ग र ग र अ व धा अ व धा अ व धा द य स नि र अ व धा म यु ल व रु क लि का
 न व र क र काल बा णि सर्व दि द्र वि र्थ स नि रा ४ अ स र्व वि द्या ग र र म हा सर्व म यु

लघुकिं, महाकाव्यधिकं, एकानवत्सव, महामन्त्रासौनेविधि महामन्त्रगार्गसर्वमः
कुमुदाविद्यातत्त्वार्थसंक्रान्तिवरुह्यत्वायदसकाविधि, महामन्त्रागार्गसहस्रास्यम
हस्यरुद्र, सैतसाकि, माहय २ नाक्षय २ घाटय २ संलय २ मालय २ गाय २ रुद्रय
२ विश्वयय २ उल्पादय २ सर्वइय यइ दानु रुद्रावति, पिरगा, रुद्रकट ३ रुद्र ३ नमा
सुगंस्वाहावावस्यपुकिं स्वाहावावागिधीगार्गवोदं स्वाहावा सर्वतथागार्गसमय

विधिस्वाहावा अयुक्तिहताविद्यस्वाहावा अयुक्तिहतायरावस्वाहावा उल्पाकाकर्षः
सिस्वाहावा उंकी स्वाहावा उंकीः स्वाहावा उंकीः स्वाहावा उंकी स्वाहावा मणीवकवर्णिनीः
स्वाहावा वरुवक्रममुलस्वाहावा वयिनीय स्वाहावा अयुयिनिय स्वाहावा रुद्र किमृष्टि
स्वाहा ॥ वराहमृष्टिस्वाहावा रुद्रां नमर्थदीय स्वाहावा मारु गार्गवोदिं स्वाहावा माह
रुद्रकीलवचिं स्वाहावा अमानवाशिनीय स्वाहावा मरुकलिकविधिय स्वाहावा माह

नीय स्वाहा ॥ विभाहनीय स्वाहा ॥ विष्णुधनी स्वाहा ॥ चक्रवीर्य स्वाहा ॥ महाविर्य स्वाहा ॥
रश्मिह विर्य स्वाहा ॥ हानजकिनी स्वाहा ॥ हानामरुतममृगस्व स्वाहा ॥ धर्मशालुहानः
गरु स्वाहा ॥ महावाधिविरु स्वाहा ॥ महासमय स्वाहा ॥ कलाकधर्मनि स्वाहा
महासाहस्यमदनी स्वाहा ॥ रु ४ स्वाहा ॥ रुव ४ स्वाहा ॥ रु रु वं स्वाहा ॥ वज्रवाला हि ॐ
स्वाहा ॥ वज्रवा स्वाहा ॥ सर्वमधुलपूजित स्वाहा ॥ सर्वमधुलबीयाधियत स्वाहा ॥

यकचक्राय स्वाहा ॥ समास्वास्तकविस्वाहा ॥ अथ यदस्वाहा ॥ चक्रं सर्वसत्त्वानां च
 सर्वकर्मण्युत्तमं ॥ अथ यदस्वाहा ॥ सर्वकर्मण्युत्तमं ॥ अथ यदस्वाहा ॥ सर्वकर्मण्युत्तमं ॥
 अथ यदस्वाहा ॥ सर्वकर्मण्युत्तमं ॥ अथ यदस्वाहा ॥ सर्वकर्मण्युत्तमं ॥ अथ यदस्वाहा ॥
 सर्वकर्मण्युत्तमं ॥ अथ यदस्वाहा ॥ सर्वकर्मण्युत्तमं ॥ अथ यदस्वाहा ॥ सर्वकर्मण्युत्तमं ॥

ॐ मा २३ मा २३ पा दा सि धि कु व स्ता हा ॥

मि र ग स्ता या व ष दि

स सां जन

लो ध

क पु

ह ल

र क च ड न

आ ४४ द ४४ का थि

2675

UCLA ARCHIVES